इंग्लैंड की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को हराया

अंग्रेज महिला खिलाड़ी ऐमी जोंस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

विशाखापत्तनम, 26 अक्टूबर गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऐमी जोंस (नाबाद 86), और टैमी ब्यूमोंट (40) की शानदार पारियों के दम पर इंग्लैंड ने रविवार को महिला विश्वकप के 27वें मुकाबले में न्यूजीलैंड को 124 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

न्यूजीलैंड के 168 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए ऐमी जोंस और टैमी ब्यूमोंट की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। 15वें ओवर में लिया तहुहू ने टैमी ब्यूमोंट को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। ब्यूमोंट ने 38 गेंदो में सात चौके लगाकर 40 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हीथर नाइट ने ऐमी जोंस के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। 28वें ओवर की पहली गेंद पर सोफी डिवाइन ने हीथर नाइट को पगबाधा आउट कर हार की दहलीज पर खड़ी न्यूजीलैंड को दूसरी सफलता दिलाई। हीथर नाइट ने 40 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 33 रन बनाये। सेमीफाइनल में पहले ही जगह बना चुके इंग्लैंड ने 29.2 ओवर में दो विकेट पर 172 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। ऐमी जोंस ने 92 गेंदों में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 86 रन बनाये। जोंस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। न्यूजीलैंड की ओर से सोफी डिवाइन और लिया तहुहू ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड, इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक पायी और 38.2 ओवर में 168 के स्कोर पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए जॉर्जिया प्लिमर ने सर्वाधिक 43 रनों की पारी खेली। एमेलिया केर ने (35), कप्तान सोफी डिवाइन (23), मैडी ग्रीन (18), इसाबेला गेज (14), सूजी बेट्स और जस केर ने 10-10 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड के लिए लिंसी स्मिथ ने तीन विकेट लिये। नेट शिवर ब्रंट और ऐलिस कैप्सी को दो-दो विकेट मिले। सोफी एक्लस्टोन और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सोफी डिवाइन को दी विदाई

विशाखापत्तनम, 26 अक्टूबर. महिला क्रिकेट के इतिहास में दर्ज हो जाने वाले इस दिन, एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम न केवल इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले का, बल्कि इस खेल की सबसे अदम्य हस्तियों में से एक सोफी डिवाइन की मार्मिक विदाई का भी गवाह बना। न्यूजीलैंड के राष्ट्रगान की धुनें गूंजने लगीं, तो डिवाइन की आँखों में लगभग दो दशकों के क्रिकेट के संघर्ष और विजय का भाव झलक रहा था। कुछ आँसू थे, हालाँकि उम्मीद के मुताबिक़ नहीं, लेकिन एक करियर के अंत की मार्मिकता को बयां करने के लिए पर्याप्त थे। प्रशंसकों की गर्जना सम्मान में दब गई, और खेल एक ऐसे पल के लिए रुक गया जो किसी भी स्कोरकार्ड से बड़ा था। यह एक युग का अंत था। अपनी सबसे करीबी साथियों, सूजी बेट्स और ली ताहुहू के साथ मैदान साझा करने से भावनाओं में और भी निखार आया। डिवाइन, जिन्होंने वर्षों तक इन साथियों के साथ गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी, ने हर पल का भरपूर आनंद लिया। हँसी थी, कुछ व्यंग्यात्मक मुस्कानें थीं, और यह अनकहा एहसास था कि यह वनडे में उनका आखिरी अध्याय था। अनगिनत लड़ाइयों और साझा जीतों पर आधारित यह सौहार्द किसी भी मैच-जिताऊ पारी से कहीं ज़्यादा चमकीला था। अपने करियर पर विचार करते हुए, डिवाइन की आवाज में विनम्रता और गर्व दोनों झलक रहे थे।

शाइना और दीक्षा ने रचा इतिहास

भारत ने एशियाई चैंपियनशिप में झटके दो स्वर्ण पदक

चेंगदू, 26 अक्टूबर. भारत की युवा शटलरों ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में इतिहास रच दिया। रविवार को चेंगदू में खेले गए फाइनल मुकाबलों में शाइना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।

शाइना ने अंडर-15 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से मात दी, जबकि दीक्षा ने अंडर-17 वर्ग के अखिल भारतीय फाइनल में लक्ष्य राजेश को सीधे गेमों में 21-16, 21-9 से पराजित किया। इन जीतों के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए। यह प्रदर्शन 2013 के बाद भारत का सर्वश्रेष्ठ साबित हुआ है। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार्स शाइना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर ने रविवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। यह पहली बार है जब भारत ने इन दोनों आयु वर्गों में एक साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। अंडर-15 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया। मैच के पहले गेम में उन्होंने शुरू से ही बढ़त बनाई और दूसरे गेम में कड़ा मुकाबला होने के बावजूद 44 मिनट में जीत दर्ज की। वह अंडर-15 वर्ग में खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय बालिका खिलाड़ी बनीं। इसके बाद अंडर-17 वर्ग के अखिल भारतीय फाइनल में दीक्षा सुधाकर ने अपने हमवतन लक्ष्य राजेश को 27 मिनट में 21-16, 21-9 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दीक्षा इस वर्ग में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय बालिका एकल खिलाड़ी बनीं। इससे पहले शनिवार को भारत ने दो कांस्य पदक भी हासिल किए — जगशेर सिंह खंगगुरा और जंगजीत सिंह काजला की पुरुष युगल जोड़ी तथा जननिका रमेश की मिश्रित युगल टीम ने सेमीफाइनल तक पहुंचकर यह उपलब्धि दर्ज की।

भारत के युवा शटलरों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : 2 स्वर्ण, 1 रजत, 2 कांस्य पदक

शाइना मणिमुथु : अंडर-15 वर्ग की चैंपियन, जापान की तोमिता को हराया

दीक्षा सुधाकर : अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय बालिका खिलाड़ी

भारत ने कुल दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक के साथ टूर्नामेंट का शानदार समापन किया। यह प्रदर्शन 2013 के बाद का भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जा रहा है, जब सिरिल वर्मा और चिराग शेट्टी की अगुवाई में भारत ने दो स्वर्ण पदक जीते थे।

भारतीय बेटियों की कुश्ती में धूम

हंशिका लांबा और सारिका ने जीते रजत पदक

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर. — भारतीय महिला पहलवानों ने सर्बिया के नोवी साद में चल रही अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में देश को गौरवान्वित करते हुए टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। भारत ने कुल 125 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका (102 अंक) और जापान (92 अंक) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय महिला टीम बनी विश्व चैंपियन

हंशिका (53 किग्रा) और सारिका (59 किग्रा) : दोनों ने जीते रजत पदक

कांस्य पदक : निशु, नेहा शर्मा, पुलकित, सृष्टि और प्रिया ने दिलाया सम्मान

भारत की हंशिका लांबा (53 किग्रा) और सारिका (59 किग्रा) ने अपने-अपने भार वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, दोनों को फाइनल मुकाबले में जापानी पहलवानों से हार का सामना करना पड़ा और वे रजत पदक से संतुष्ट रहीं। इसके अलावा, भारतीय टीम ने पाँच कांस्य पदक भी जीते — निशु (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा)। इन उपलब्धियों ने भारत को अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया और टीम को चैंपियनशिप ट्रॉफी दिलाई। यह उपलब्धि भारतीय महिला कुश्ती के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई है।

बड़े होकर प्रकृतिवादी बनना चाहती हैं जीवा धोनी

नई दिल्ली 26 अक्टूबर. क्रिकेट जगत में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनके बच्चे आगे चलकर क्रिकेटर ही बनना चाहते हैं. भारतीय क्रिकेट में ही ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले हैं. सुनील गावस्कर के बेटे रोहन गावस्कर भी क्रिकेट खेल चुके हैं. सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर आईपीएल में कदम रख चुके हैं. वहीं अब वीरेंद्र सहवाग का बेटा आर्यवीर सहवाग भी क्रिकेट में ही अपना फ्यूचर बनाना चाहता है. लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बेटी जीवा बड़े होकर प्रकृतिवादी बनना चाहती हैं. ये वे लोग होते हैं, जो पर्यावरण और उससे जुड़ी चीजों का ख्याल रखते हैं. एमएस धोनी की बेटी जीवा धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है.

रणजी में दिल्ली का धमाल

हिमाचल के 165 रन पर झटके तीन विकेट

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर. अर्पित राणा, सनत सांगवान, यश ढुल,आयुष दोसेजा, सुमित माथुर और अनुज रावत की अर्धशतकीय पारियों के दम पर दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी दूसरे के दौर के मुकाबले के दूसरे दिन रविवार को 430 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद स्टंप के समय हिमाचल प्रदेश के 165 के स्कोर पर तीन विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं।

दिल्ली ने कल के चार विकेट पर 306 रनों से आगे खेलना शुरु किया। दिल्ली ने आज 124 रन जोड़ कर अपने छह विकेट गंवा दिये। दिल्ली का पांचवां विकेट आयुष दोसेजा (75) के रूप में गिरा। उसके बाद सुमित माथुर 51 रन बनाकर आउट हुये। सिद्धांत शर्मा (17), नवदीप सैनी (शून्य), अनुज रावत (57) और रौनक वाघेल चार रन बनाकर आउट हुये। हिमाचल प्रदेश के लिए वैभव अरोड़ा और अर्पित गुलेरिया ने चार-चार विकेट लिये। दिवेश शर्मा को दो विकेट मिले। इसके बाद बल्लेबजी करने उतरी हिमाचल प्रदेश के लिए सिद्धांत पुरोहित और कप्तान अंकुश बैंस की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 86 रन जोड़े। 26वें ओवर में सुमित माथुर ने अंकुश बैंस (43) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। अंकित कल्सी (20) को नवदीप सैनी ने आउट किया। हिमाचल प्रदेश का तीसरा विकेट 51वें ओवर मे सिद्धांत पुरोहित (70) के रूप में गिरा। उन्हें नवदीप सैनी आउट किया।

दिल्ली की पारी 430 रन पर समाप्त

स्टंप्स के समय हिमाचल प्रदेश ने तीन विकेट पर 165 रन बना लिये है। पुखराज मान (नाबाद 17) और एकांत सेन (नाबाद चार) क्रीज पर मौजूद थे। दिल्ली के लिए नवदीप सैनी ने दो विकेट लिये। सुमित माथुर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

एक नजर में

...वरना बाहर बैठा दूंगा : गौतम गंभीर

नई दिल्ली. हर्षित राणा धीरे-धीरे टीम इंडिया के साइलेंट हीरो बनते जा रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी वनडे मैच में उन्होंने 4 विकेट झटके थे और उनका इकॉनमी रेट भी पांच से कम रहा. यहां तक कि उन्होंने दूसरे वनडे मैच में भी 24 रनों की कैमियो पारी खेल भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में मदद की थी. इसी बीच मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हेड कोच गौतम गंभीर ने हर्षित को चेतावनी दे दी है. हर्षित राणा के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने बहुत ब?ा खुलासा किया है. उनके भारतीय स्क्वाड में चयन पर सवाल उठे थे. यहां तक कि जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी वनडे मैच की प्लेइंग इलेवन में अर्शदीप सिंह को बाहर कर हर्षित को अंतिम-11 में जगह दी गई, तब इस फैसले की भी जमकर आलोचना हुई थी. श्रवण कुमार ने बताया कि हर्षित अपने प्रदर्शन से आलोचकों का मुंह बंद करना चाहते थे. श्रवण कुमार ने कहा, फ़उन्होंने मुझे कॉल लगाया और कहा कि वो अपने प्रदर्शन से आलोचकों का मुंह बंद करना चाहते हैं. मैंने सिर्फ इतना कहा, फ़खुद पर भरोसा रखो.% मैं जानता हूं कि कुछ क्रिकेटर कहते हैं कि हर्षित, गंभीर के क्लोज हैं. गंभीर प्रतिभा को परखना जानते हैं, वो उन्हें सपोर्ट भी करते हैं.

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान में

नई दिल्ली. पाँचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान के सात शहरों में 24 नवंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित होंगे। इसमें 23 मेडल स्पोर्ट्स और एक डेमोंस्ट्रेशन स्पोर्ट (खो-खो) में प्रतियोगिताएँ होंगी। इसी साल कुछ समय पहले में बिहार में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तरह, यूनिवर्सिटी गेम्स भी राजस्थान के सात शहरों—जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर—में आयोजित होंगे। इस 12 दिनों के यूनिवर्सिटी आयोजन में 5,000 से अधिक एथलीटों के आने की उम्मीद है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से किया जाता है। युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स भारत के खेल मार्ग में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। दुनिया भर में विश्वविद्यालय, चैंपियनों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और च्ढ्ढञ्ज हमारे युवा एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने का मंच प्रदान करता है। इन खेलों का राजस्थान संस्करण भारत के विस्तृत खेल परिदृश्य को उजागर करेगा और वैश्विक स्तर पर राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने की आकांक्षा रखने वालों के लिए पहला कदम साबित होगा। इसके आगे, डॉ. मंडाविया ने कहा, फ़माननीय प्रधानमंत्री जी के विज़न के तहत, खेलो इंडिया पहल ने भागीदारी, प्रतिभा विकास और उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने वाला एक ठोस पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। राजस्थान में आयोजित होने वाले ये यूनिवर्सिटी गेम्स हजारों छात्रों को न केवल खेलों को पढ़ाई के समानांतर ही आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे साथ ही प्रतियोगिता एवं सौहार्द के माध्यम से एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत भी करेंगे। KIUG 2025 में 23 मेडल स्पोर्ट्स और एक डेमोंस्ट्रेशन श्रेणी के स्पोर्ट्स होंगे।

लिटन दास बन सकते हैं बांग्लादेश टीम के कप्तान

नजमुल हुसैन शान्तो के पद छोड़ने के बाद दौड़ में सबसे आगे

ढाका, 26 अक्टूबर. बंगलादेश के टी20 कप्तान लिटन कुमार दास ने रविवार को कहा कि अगर उन्हें टेस्ट कप्तानी की पेशकश की जाती है, तो वह इसे संभालने के लिए तैयार हैं। जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद नजमुल हुसैन शान्तो के पद छोड़ने के बाद यह पद खाली होने पर बंगलादेश वर्तमान में एक नए टेस्ट कप्तान की तलाश में है।

क्रिकबज ने पहले बताया था कि लिटन, नजमुल की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे हैं, क्योंकि शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद जब बीसीबी ने उनसे दोबारा पूछा तो उन्होंने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया था। लिटन ने जोर देकर कहा कि टेस्ट कप्तानी के लिए बीसीबी ने अभी तक उनसे संपर्क नहीं किया है और संकेत दिया कि वह इस भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। बीसीबी के पास अपने टेस्ट कप्तान की घोषणा करने के लिए बहुत कम समय है क्योंकि उन्हें 11 नवंबर से सिलहट में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए आयरलैंड की मेजबानी करनी है। लिटन ने कहा, यह बहुत मुश्किल है। अभी तक, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। अगर उन्हें लगता है कि मैं सक्षम हूँ, तो ज़ाहिर है वे मुझसे बात करेंगे। देखते हैं उनका क्या फैसला होता है। उन्होंने आगे कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर, टेस्ट टीम की कप्तानी करना एक बड़ी उपलब्धि है। मुझे यकीन है कि कोई भी खिलाड़ी इसके लिए मना नहीं करेगा। लेकिन अभी तक, मुझे क्रिकेट बोर्ड से कोई जवाब नहीं मिला है।

लिटन ने इससे पहले 2023 में अफग़ानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में बांग्लादेश की कप्तानी की थी.

45वां संस्करण — **खेल मंत्रालय द्वारा साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, योगासन भारत और माई भारत के सहयोग से शुरू की गई पहल**

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल में शामिल हुई विश्व बॉक्सिंग चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर. विश्व बॉक्सिंग चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा रविवार सुबह मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में सैकड़ों साइकिल चलाने वालों, फिटनेस के शौकीनों और परिवारों के साथ 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' में शामिल हुईं।

खेल मंत्रालय द्वारा साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, योगासन भारत और माई भारत के सहयोग से शुरू की गई यह पहल फिट इंडिया मूवमेंट के तहत एक प्रमुख सामुदायिक फिटनेस अभियान बन गई है। यह 'आधा घंटा रोज - फिटनेस का डोज' की भावना को दर्शाता है। यहां फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 45 वें संस्करण में शामिल होने पहुंची मीनाक्षी हुड्डा ने कहा, आज इस मुहिम में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। जिस तरह मैं बॉक्सिंग के जरिए अपनी फिटनेस बनाए रखती हूं, उसी तरह हर महिला, खासकर गृहिणियों और लड़कियों के लिए जो शायद खेल नहीं खेलतीं, फिट रहना उतना ही जरूरी है। वे अक्सर अपनी रोजाना की दिनचर्या में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि वे खुद को भूल जाती हैं। यह आंदोलन सभी को याद दिलाता है कि फिटनेस आसान, आनंददायक और सभी के लिए हो सकती है देश भर में चल रहे फेस्टिव सीजन को देखते हुए, पिछले हफ्ते संडेज ऑन साइकिल का आयोजन एक अनोखे साइकिल फ्रॉम होम फॉर्मेट में किया गया, जिसमें नागरिकों को अपने घरों, आस-पड़ोस और स्थानीय गलियों से इस आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर फिटस्पायर की को-फ़ाउंडर हिना साहनी ने कहा, फिटस्पायर को फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के साथ पार्टनर बनकर गर्व है। यह केवल एक्सरसाइज के बारे में नहीं है, यह एक साझा अभियान है जो वेलनेस, अनुशासन और एकजुटता का जश्न मनाता है। हर पैडल और हर सोच-समझकर किया गया काम हमें एक मजबूत और ज्यादा प्रेरित भारत के करीब लाता है।